सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू , आई. पी . एक्सटेंशन, पटपडगंज, दिल्ली -११००९२

सत्र: 2025-2026

कक्षा: **षट्** **द्वितीयः पाठः** कार्यपत्रिका: 2

विषय: संस्कृत **संयुक्तवर्णाः**

1. **मञ्जूषायाः उचितपदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–**

मंजूषा में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों को पूरा कीजिए–

ऋकारान्त, व्यंजन, अ, वर्ण-विच्छेद, हलन्त, मात्रा

(*i*) व्यंजन के नीचे लगी तिरछी रेखा (्) '.....' कहलाती है।

(*ii*) संयुक्त व्यंजनों में एक से अधिक ..... जोड़े जाते हैं।

(*iii*) व्यंजन के साथ जुड़ा हुआ स्वर ..... के रूप में दिखाई देता है।

(*iv*) स्वरों तथा व्यंजनों को अलग-अलग करके लिखने की प्रक्रिया ..... कही जाती है।

(*v*) 'मातृ' शब्द प्रकार की दृष्टि से ..... शब्द है।

(*vi*) '.....' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती।

2. **प्रदत्तवर्णान् योजयित्वा तेषां संयुक्तवर्णं लिखत तेन च एकं शब्दम् अपि रचयत–**

दिए गए वर्णों को जोड़कर उनका संयुक्त वर्ण लिखिए और उससे एक शब्द भी बनाइए–

(*i*) द् + य् + अ = ... → .....

(*ii*) द् + म् + अ = ... → .....

(*iii*) श् + र् + अ = ... → .....

(*iv*) ज् + ञ् + अ = ... → .....

(*v*) त् + र् + अ = ... → .....

Together with®